Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

समास

भाग – 1

LIVE 03:00 PM

Mahendra's

समास-

दो अथवा अधिक शब्दों के मध्य की विभक्तियों अथवा लगाव के शब्दों (कारक चिन्हों) का लोप होकर जिस शब्द का निर्माण होता है, वह सामासिक पद कहलाता है।

शब्दों के इसी संयोग को 'समास' की संज्ञा दी गयी है।
समास का शाब्दिक अर्थ होता हैं संछिप्तीकरण।

समास विग्रह-

जब समस्त पद के सभी पद अलग-अलग किए जाते हैं तब उस प्रक्रिया को समास-विग्रह कहते हैं,

जैसे-'सीता-राम' समस्त पद का विग्रह होगा सीता और राम ।
उदाहरण के लिए,
राजपुरुष = राजा का पुरुष
पुस्तकालय = पुस्तक का आलय
रसोईघर = रसोई के लिए घर

Mahendra's

समास के भेद-

समास के मुख्यत छह भेद हैं:

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्वंद्व समास
5. द्विगु समास
6. बहुव्रीहि समास

Mahendra's

1.अव्ययीभाव समास-

जिस समास का प्रथम पद प्रधान हो और वह अव्यय हो, वह अव्ययीभाव समास कहलाता है। प्रथम पद में लिंग, वचन आदि दृष्टि से इसके रूप में कोई परिवर्त्तन नहीं होता ।

सामान्यतःनिम्न शब्द प्राप्त होते हैं- अनु ,आ,यथा,प्रति,भर,यावत, हर आदि।

जैसे-

प्रतिदिन	हर दिन
यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार
प्रत्येक	एक-एक के प्रति
यथाविधि	विधि के अनुसार
यथासामर्थ्य	सामर्थ्य के अनुसार

Mahendra's

2.तत्पुरुष समास-

जिस समास में उत्तर-पद अर्थात् अन्तिम पद की प्रधानता हो, उसे 'तत्पुरुष समास' कहते हैं।

कारक-चिह्नों के अनुसार इसके निम्नलिखित छ:(6)भेद होते हैं-

1.कर्म तत्पुरुष
2.करण तत्पुरुष
3.संप्रदान तत्पुरुष
4.अपादान तत्पुरुष
5.संबंध तत्पुरुष
6.अधिकरण तत्पुरुष

Mahendra's

कारक	कारक चिह्न
1.कर्म	को
2.करण	से, के द्वारा
3.सम्प्रदान	को,के लिए
4.अपादान	से
5.सम्बन्ध	का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
6.अधिकरण	में,पर

Mahendra's

1.कर्म तत्पुरुष-

जिस तत्पुरुष में कर्म कारक की विभक्ति 'को' का लोप हो जाता है, उसे कर्म तत्पुरुष कहते हैं।

जैसे-

समस्त पद	विग्रह
ग्रामगत	ग्राम को गया हुआ
रथचालक	रथ को चलाने वाला
जेबकतरा	जेब को कतरने वाला
यशप्राप्त	यश को प्राप्त
गगनचुम्बी	गगन को चूमने वाला
चिड़ीमार	चिड़ियों को मारने वाला

Mahendra's

2.करण तत्पुरुष-

जिस तत्पुरुष में करण कारक की विभक्ति 'से', 'के द्वारा' का लोप हो जाता है, उसे करण तत्पुरुष कहते हैं।
जैसे-

समस्त पद	विग्रह
शोकग्रस्त	शोक से ग्रस्त
मदांध	मद से अंधा
करुणापूर्ण	करुणा से पूर्ण
मनचाहा	मन से चाहा
पददलित	पद से दलित
रेखांकित	रेखा से अंकित

Mahendra's

3.संप्रदान तत्पुरुष-

जिस तत्पुरुष में संप्रदान कारक की विभक्ति 'के लिए' का लोप हो जाता है, उसे संप्रदान तत्पुरुष कहते हैं।

जैसे-

समस्त पद	विग्रह
देवालय	देव के लिए आलय (घर)
आरामकुर्सी	आराम के लिए कुर्सी
मालगाड़ी	माल के लिए गाड़ी
राहखर्च	राह के लिए खर्च
विद्यालय	विद्या के लिए आलय
यज्ञवेदी	यज्ञ के लिए वेदी
गोशाला	गाय के लिए शाला
धर्मशाला	धर्म के लिए शाला

Mahendra's

(4) अपादान तत्पुरुष-

जिस तत्पुरुष में अपादान कारक की विभक्ति 'से'(अलग होने का भाव)लुप्त हो जाती है। उसे अपादान तत्पुरुष कहते हैं।

जैसे-

समस्त	पद विग्रह
ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त
पदच्युत	पद से च्युत
राजद्रोह	राज से द्रोह
दोषमुक्त	दोष से मुक्त
रोगमुक्त	रोग से मुक्त
सेवामुक्त	सेवा से मुक्त

Mahendra's

(5) सम्बन्ध तत्पुरुष -

जिस समास में संबंध कारक की विभक्ति 'का','के','की' लुप्त हो जाती है, उसे सम्बन्ध तत्पुरुष कहते हैं।
जैसे-

समस्त पद	विग्रह
सेनापति	सेना का पति (स्वामी)
राजकुमार	राजा का कुमार
पवनपुत्र	पवन का पुत्र
राष्ट्रपति	राष्ट्र का पति
राजसभा	राजा की सभा

Mahendra's

(6) अधिकरण तत्पुरुष-

जिस तत्पुरुष समास में अधिकरण कारक की विभक्ति 'में', 'पर', लुप्त हो जाती है, उसे अधिकरण समास कहते हैं।
जैसे

समस्त पद	विग्रह
कविश्रेष्ठ	कवियों में श्रेष्ठ
नराधम	नरों में अधम
घुड़सवार	घोड़े पर सवार
शोकमग्न	शोक में डूबा हुआ
दानवीर	दान देने में वीर
शिलालेख	शिला पर (लिखा) लेख
गृहप्रवेश	गृह में प्रवेश
हरफनमौला	हरफन में मौला (उस्ताद)
पुरुषोत्तम	पुरुषों में उत्तम

Mahendra's

3.कर्मधारय समास-

जिस सामासिक शब्द में प्रायःप्रथम पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य हो अथवा उपमान- उपमेय का सम्बन्ध हो,
या
जिस समास में प्रथम पद विशेषण और अंतिम पद संज्ञा,सर्वनाम हो, को ही कर्मधारय समास कहते हैं।

जैसे-

समस्त-पद	विग्रह
चन्द्रमुख	चन्द्र के समान मुख
चरणकमल	कमल के समान चरण
महापुरुष	महान है जो पुरुष
महादेव	महान है जो देव
महाकाव्य	महान है जो काव्य

Mahendra's

4.द्विगु समास-

जिस सामासिक शब्द का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो उसे द्विगु समास कहते हैं।
इससे समूह अथवा समाहार का बोध होता है।
जैसे-

चौमासा- चार मासों का समूह
नवग्रह- नौ ग्रहों का समूह

पंचवटी- पाँच वृक्षों का समूह
त्रिलोक -तीनों लोकों का समाहार

चौराहा- चार राहों का समूह
सप्ताह--सात दिनों का समूह

Mahendra's

5.द्वन्द्व समास-

जिस सामासिक शब्द के दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और','अथवा','या','एवं',लगता है ,वह द्वन्द्व समास कहलाता है।इसमें दोनों पदों के बीच प्राय: योजक चिह्न का प्रयोग होता है।

जैसे-

माता-पिता	माता और पिता
सुख-दुख	सुख और दुख
न्यूनाधिक	न्यून या अधिक
हानि-लाभ	हानि या लाभ
ऊँच-नीच	ऊँच और नीच
छल-कपट	छल और कपट

Mahendra's

6. बहुव्रीहि समास-

जिस समास में न तो पूर्व पद प्रधान होता है और न ही उत्तर पद प्रधान होता है,बल्कि दोनों पद मिलकर एक अन्य नया पद (अर्थ) प्रकट करते हैं,बहुव्रीहि समास कहलाता है।

जैसे-

पीताम्बर	पीत है अम्बर जिसका(कृष्ण)
निशाचर	निशा में विचरण करने वाला(राक्षस)
त्रिलोचन	तीन हैं लोचन जिसके (शिव)
चन्द्रमौलि	चन्द्र है मौलि पर जिसके (शिव)
चतुर्भुज	चार हैं भुजाएँ जिसकी(विष्णु)
प्रधानमन्त्री	मन्त्रियों में प्रधान है जो(प्रधानमन्त्री)
पंकज	पंक में पैदा हो जो (कमल)

Mahendra's

1.अव्ययीभाव समास-जिस समास का प्रथम पद प्रधान हो और वह अव्यय हो, वह अव्ययीभाव समास कहलाता है।

2.तत्पुरुष समास- जिस समास में उत्तर-पद अर्थात् अन्तिम पद की प्रधानता हो, उसे 'तत्पुरुष समास' कहते हैं।

3.कर्मधारय समास-जिस सामासिक शब्द का उत्तर पद प्रधान हो और पूर्वपद का उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान उपमेय का सम्बन्ध हो।

4द्विगु समास-जिस सामासिक शब्द का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो उसे द्विगु समास कहते हैं।

5.द्वन्द्व समास- जिस सामासिक शब्द के दोनों पद प्रधान होते हैं।

6.बहुव्रीहि समास-जिस समास में न तो पूर्व पद प्रधान होता है और न ही उत्तर पद प्रधान होता है,बल्कि दोनों पद मिलकर एक अन्य नया पद (अर्थ) प्रकट करते हैं।

Mahendra's

1.'यथारुचि' में समास है ?

(a)तत्पुरुष

(b) बहुव्रीहि

(c) अव्ययीभाव

(d) द्वन्द्व

2.किस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं?

(a)बहुव्रीहि समास

(b) तत्पुरुष समास

(c) द्वन्द्व समास

(d) द्विगु समास

3.जिस समास में प्रथम पद संख्यावाची तथा अन्तिम पद संज्ञा हो, वह है-

(a)द्वन्द्व समास

(b) तत्पुरुष समास

(c) द्विगु समास

(d) अव्ययीभाव समास

Mahendra's

4.निम्नलिखित में से कौन तत्पुरुष समास का उदाहरण नहीं है?

(a) राजकुमार

(b) यज्ञवेदी

(c) आजन्म

(d) ग्रामवासी

5.निम्नलिखित किस एक में कर्मधारय समास है?

(a) लड़का भूख से **अधमरा** हो गया था।

(b) तुम्हें अपना **भला-बुरा** स्वयं सोचना चाहिए।

(c) विवाह सम्बन्ध में **ऊँच-नीच** देखनी पड़ती है।

(d) सिद्धार्थ बुद्ध होने से पूर्व एक **राजकुमार** थे।

6.'समास' का शाब्दिक अर्थ होता है

(a) संक्षेप

(b) विस्तार

(d) नवीन अर्थ

(c) विग्रह

7.'पीताम्बर'- पीत है अम्बर जिसका अर्थात् विष्णु, इसे कौन-सा समास कहेंगे?

(a) तत्पुरुष

(c) कर्मधारय

(b) अव्ययीभाव

(d) बहुव्रीहि

Mahendra's

8.निम्नलिखित युग्मों में से एक समास की दृष्टि से अशुद्ध है

(a) भरपेट -अव्ययीभाव

(b) रसोईघर-तत्पुरुष

(c) दाल-रोटी-द्वन्द्व

(d) राजकन्या -अव्ययीभाव

9. 'मृगलोचन' शब्द में विग्रह सहित समास बताइए

(a) मृग और लोचन-द्वन्द्व समास

(b) मृग का लोचन – बहुव्रीहि समास

(c) मृग के सदृश लोचन-कर्मधारय

(d) मृग में लोचन - अव्ययीभव समास

Mahendra's

10.'लता देह' शब्द का विग्रह सहित समास होगा

(a) लता का देह-अव्ययीभाव समास

(b) लता रूपी देह-तत्पुरुष समास

(c) लता के सदृश देह-कर्मधारय समास

(d) लता और देह-द्वन्द्व समास

धन्यवाद...